छत्तीसगढ़ में आदिवासी युवाओं हेतु शिक्षा कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

भारत के सबसे बड़े लौह [अयस्क उत्पादक NMDC लिमिटेड](#) ने दो महत्त्वपूर्ण [कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR)](#) पहलों की घोषणा की है, जिनका उद्देश्य पूर्णतः प्रायोजित शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से छत्तीसगढ़ में आदिवासी युवाओं को सशक्त बनाना है

- ये कार्यक्रम **'बालिका शिक्षा योजना'** तथा **'चिकित्सा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम'** क्षेत्र के **आदिवासी युवाओं** और **वंचित छात्रों** को **शैक्षणिक अवसर** प्रदान करने पर केंद्रित हैं।

मुख्य बिंदु

- **बालिका शिक्षा योजना के बारे में:**
  - **NMDC** बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, कोंडागाँव, बीजापुर तथा नारायणपुर ज़िलों की **आदिवासी लड़कियों** को **पूर्णतः वित्तपोषित नर्सिंग शिक्षा** प्रदान कर रहा है।
  - इसका उद्देश्य प्रतिष्ठित संस्थानों में नर्सिंग शिक्षा को **पूर्णतः प्रायोजित** करना है तथा प्रति छात्रा लगभग **12–15 लाख रुपए** का **निवेश** किया जाएगा।
  - **आवेदिका** का संबंध [अनुसूचित जनजाति (ST)](#) समुदाय से होना अनिवार्य है।
- **चिकित्सा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के बारे में:**
  - अपोलो विश्वविद्यालय, चित्तूर के साथ साझेदारी में, NMDC दंतेवाड़ा और बस्तर के अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिये **संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान** में पूर्णतः प्रायोजित बी.एससी. कार्यक्रम की पेशकश कर रहा है ।
  - इस कार्यक्रम में विशेषीकृत पाठ्यक्रमों में **90 सीटें** शामिल हैं, जिनमें **60% सीटें लड़कियों** तथा **40% लड़कों** के लिये आरक्षित हैं।
  - प्रत्येक चयनित छात्र को **12–15 लाख रुपए** की प्रायोजन राशि प्रदान की जाएगी, जिसमें **समस्त शैक्षणिक शुल्क** तथा **आवासीय व्यय** सम्मिलित होंगे।
- **आदिवासियों के लिये शैक्षिक योजनाएँ**
  - **आश्रम विद्यालयों की स्थापना हेतु योजना**: यह [केंद्र प्रायोजित योजना](#), विशेष रूप से उग्रवाद-प्रभावित जनजातीय उप-योजना क्षेत्रों में, आदिवासी लड़के-लड़कियों के लिये आश्रम विद्यालयों के निर्माण को समर्थन प्रदान करती है।
  - [एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS):](#) दूरदराज के क्षेत्रों में आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु अब तक 740 स्कूलों को स्वीकृति दी जा चुकी है।
  - [प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (PM-JANMAN):](#) यह अभियान [विशेष रूप से विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTG)](#) के लिये स्वास्थ्य, शिक्षा तथा आजीविका पर केंद्रित है।

छत्तीसगढ़ में जनजातियाँ

- **छत्तीसगढ़** में कुल **42 जनजातियाँ** पाई जाती हैं, जिनमें सबसे **प्रमुख** [गोंड](#) **जनजाति** है।
- इसके अतिरिक्त राज्य में कंवर, ब्रजिवार, भैना, भतरा, [उराँव](#), मुंडा, कमार, हल्बा, बैगा, संवरा, कोरवा, भारिया, नागेशिया, मंगवार, खरिया तथा धनवार जनजाति की भी महत्त्वपूर्ण आबादी निवास करती है।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR)

- **परिचय**:
  - **CSR** का तात्पर्य समाज और पर्यावरण के प्रति **कंपनी की ज़िम्मेदारी** से है। यह एक **स्व-विनियमन मॉडल** है, जो यह सुनिश्चित करता है कि व्यवसाय **आर्थिक**, **सामाजिक** तथा **पर्यावरणीय कल्याण** पर अपने प्रभावों के लिये **जवाबदेह** बने रहें।
  - **CSR को अपनाने** से कंपनियाँ [सतत् विकास](#) में अपनी व्यापक भूमिका के प्रति **अधिक जागरूक** हो जाती हैं।
- **कानूनी ढाँचा:**
  - भारत [कंपनी अधिनियम, 2013](#) की धारा 135 के तहत **CSR व्यय को अनिवार्य बनाने वाला पहला देश है,** जो पात्र गतिविधियों के लिये एक संरचित ढाँचा प्रदान करता है।

- **प्रयोज्यता:**
  - CSR नियम उन कंपनियों पर लागू होते हैं जिनकी **पिछले वित्तीय वर्ष में निवल संपत्ति 500 करोड़ रुपए से अधिक या कारोबार 1,000 करोड़ रुपए से अधिक या निवल लाभ 5 करोड़ रुपए से अधिक हो।**
  - ऐसी कंपनियों को अपने **पिछले तीन वित्तीय वर्षों** (या यदि हाल ही में स्थापित की गई हैं तो उपलब्ध वर्षों) के औसत निवल लाभ का कम से कम 2% **कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR)** गतिविधियों पर व्यय करना आवश्यक है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/education-programs-for-tribal-youth-in-chhattisgarh